

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

**बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(सहायक विषय/इलेक्टिव ओपन सब्जेक्ट)
शास्त्रीय संगीतगायन :-प्रदर्शन एवं मौखिक**

2021-2022

नियमित

समय :-3 घण्टे
मौखिक :-

पूर्णांक :- 80

इकाई-1

संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (षुद्ध, विकृत, चल, अचल) सप्तक (मंद्र, मध्य, तार,), वर्ण, अलंकार (पल्टा), बोल (मिजराब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष, अपकर्ष) की जानकारी।दस थाटों के नाम व स्वर, लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।

इकाई-2

पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि व ताल-लिपिका ज्ञान। शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, चित्र पट संगीत, और लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी।गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपुरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने-अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान।

इकाई-3

पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णुनारायण भातखण्डे, राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास, एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई-4

बिलावल एवं कल्याण थाट में अलंकारों का लेखन। त्रिताल, दादरा एवं कहरवा तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल-लिपि में लेखन।

प्रदर्शन :-

उद्देश्य -स्वरो का प्रारम्भिक अभ्यास, अलंकार का गायन एवं वादन, अलंकारों का अभ्यास।

- (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-बिलावल एवं कल्याण थाटा में 10-10 अलंकारों का गायन।
(ब) स्वरवाद्य के परीक्षार्थियों के लिए-बिलावल एवं कल्याण थाट में 10-10 अलंकारों का वादन।
(स) राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में एक-एक मध्यलय ख्याल, सरगम गीत, लक्षणगीत (तीन आलाप एवं तीन तानों सहित)।
(द) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन- त्रिताल, दादरा, कहरवा।
संदभग्रन्थ-

1. संगीत जलि भाग 1
2. राग परिचय भाग 1